Stakeholder's Meeting for Advocacy

Project: RISTE

Supported by: CUTS International, Jaipur

Organized by: BWDS, Patna

Thursday, 24th April, 2014

Venue: KVK, Aurangabad

राष्ट्रीय सहारा
www.samaylive.com
सच कहने की हिम्मत
पटना। शनिवार • 26 अप्रैल • 2014

बंगलादेश जायेगा औरंगाबाद में उत्पादित उन्नत धान बीज

औरंगाबाद (एसएनबी)। माईक्रोसॉफ्ट कारपोरेशन के कर्ता-धर्ता बिल गेटस की संस्था बिल एंण्ड मिलिंडा फाउंडेशन ने भारत और बंगलादेश के बीच धान बीज के व्यापार को बढ़ावा देने में सहयोग की ओर हाथ बढ़ाया है। इसके तहत संस्था द्वारा जयपुर के कटस इंटरनेशनल को दोनो देषो के बीच धान बीज व्यापार में आनेवाली बाधाओं का अध्ययन कर कार्य योजना बनाने की जिम्मेवारी सौपी गई है। इस जिम्मेवारी के तहत कटस द्वारा बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा एवं अन्य प्रदेशो में बंगलादेश को आपूर्ति किये जाने लायक धान बीज के उत्पादन के प्रति किसानो को मानसिक रूप से तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

■ दोनो देशों के बीच धान बीज व्यापार में आ रही बाधाओं को दूर करने का बिल गेटस की संस्था बिल एण्ड मिलिंडा फाउंडेशन ने उठाया बीड़ा

इसके तहत संस्था द्वारा इन राज्यो में अलग-अलग संस्थाओ के सहयोग से किसानो के साथ बैठक कर बीज व्यापार की भावी रूप रेखा तैयार की जा रही है। इसी कड़ी में बिहार वाटर डेवलपमेंट सोसाईटी द्वारा गुरूवार को सिरिस स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में स्टेक होल्डर्स किसानो के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडब्लुडीएस के निदेशक फादर अमल राज कटस के डॉ. सौरभ कुमार एवं खुष्बू खुल्लर ने कहा कि संस्था द्वारा किये गये एक अध्ययन में यह पाया गया है कि बिहार के बंगलादेश से सटे सीमावर्ती किशनगंज, सहरसा एवं पूर्णिया आदि जिलो में व्यापक तौर पर बंगलादेशी धान के बीज प्रभेद बीआर 9 एवं बीआर 11 का इस्तेमाल किया जाता है जबकि बंगलादेश में भारतीय प्रभेदो के धान बीज यथा स्वर्णा, राजेंद्र भगवती एवं राजेंद्र श्वेता आदि किस्मो का इस्तेमाल वहा के किसानो द्वारा किया जाता है। दोनो देषो में एक-दूसरे देश के धान बीज का इस्तेमाल बिना किसी व्यापार संधि के हो रहा है। इस स्थिति में यदि वैध तरीके से दोनों देशों के बीच धान बीज का व्यापार आरंभ हो जाये तो इससे दोनों देषो के किसानों, सरकारी एजेन्सियों एवं व्यापारियों को लाभ होगा और दोनों देशों के बीच मजबूत व्यापारिक संबंध भी स्थापित हो सकेंगे।

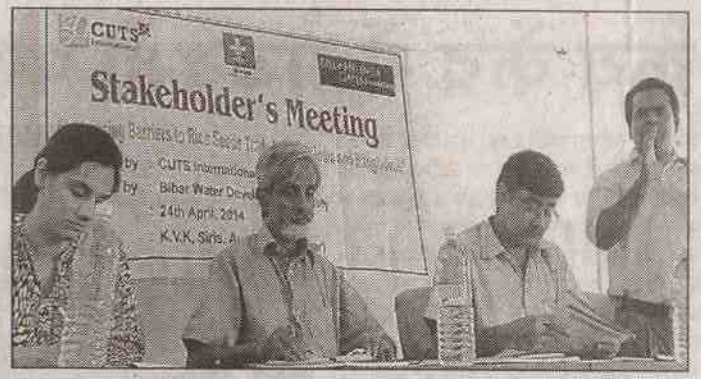

बैठक को संबोधित करते फाउंडेशन से जुड़े संस्था के अधिकारी।

इसी कारण संस्था द्वारा दोनों देशों के बीच धान बीज का वैध व्यापार आरंभ कराने और बिहार के किसानों की इसमें सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संस्था द्वारा पहल की जा रही है। इसी पहल के तहत किसानों के साथ यह बैठक की जा रही है और बैठक के माध्यम से बंग्लादेश एवं भारत के बीच धान बीज व्यापार में आने वाली बाधाओं को जानने की कोशिश की जा रही है। किसानों के साथ की जा रही बैठकों से जो नतीजे उभरकर सामने आयेंगे उनके आधार पर नीतियां तय की जायेंगी और इस व्यापार के लिए दोनों देषो के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये जायेंगे।

वक्ताओ ने कहा कि प्रारंभिक प्रयासो के तहत बंग्लादेष की सरकार भारत के बीआर-9 धान बीज का बंग्लादेश में कृषि क्षेत्र परीक्षण के लिए राजी हो गयी है और संस्था द्वारा की जा रही पहल यदि रंग लायी तो दोनों देषो के बीच अगले वर्ष तक धान बीज का व्यापार आरंभ हो सकता है। जब यह व्यापार आरंभ होगा तो किसानो से धान बीज लिये जायेंगे। इसी कारण न केवल किसानों से इस मार्ग में आने वाली बाधाओं के बारे में जानकारी ली जा रही है बल्कि किसानों को धान बीज के उत्पादन का प्रशिक्षण भी संस्था द्वारा दिया जायेगा।

कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी प्रेमेन्द्र ओझा, कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक डॉ नित्यानंद, संस्था के परियोजना समन्वयक अजय कुमार एवं जॉन डिकुज आदि ने भी विचार रखे और इस संबंध में किसानों की जिज्ञासाओं का निवारण किया।